परियोजना का नाम :- देहरादून वन प्रभाग के अन्तर्गत ऋषिकेश के **IDPL** (वीरभद्र) परिसर कक्ष सं. १ में पूर्व से चल रहे केंद्रीय विद्यालय के भवन का नवीनीकरण हेतु वन भूमि हस्तांतरण प्रस्ताव।

प्रस्तावित भूमि नवीन भवन निर्माण हेतु भू – वैज्ञानिक द्वारा निरीक्षण किया गया |

1. भू-वैज्ञानिक की आख्या संलग्न है|

ह0/-
(भू-वैज्ञानिक)
नाम व मुहर सहित

सुधा गुप्ता
प्राचार्या / प्राचार्य
के0 वि0, वीरभद्र, ऋषिकेश

प्रेषक,

उपनिदेशक / भूवैज्ञानिक,
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सेवा में,

प्रधानाचार्य,
केन्द्रीय विद्यालय ऋषिकेश,
उत्तराखण्ड।

संख्या 850 /भू.नि.आ.–3 / देहरादून / 2018–19 दिनांक 13 जुलाई, 2018

विषय : **केन्द्रीय विद्यालय, ऋषिकेश (वीरभद्र) को वन भूमि हस्तान्तरण के क्रम में भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के सम्बन्ध में।**

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 124 / केविआर / 2016–17 दिनांक 21–06–2018 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। उक्त के क्रम में प्रस्तावित स्थल की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या संलग्न कर प्रेषित की जा रही है।

भवदीय

12/07/18

(डॉ. दीपक हटवाल)
उपनिदेशक / भूवैज्ञानिक।

संलग्नकः उपरोक्तानुसार।

संख्या /भू.नि.आ.–3 / देहरादून / 2018–19 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निदेशक, भूतत्व एंव खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून को सूचनार्थ प्रेषित।

(डॉ. दीपक हटवाल)
उपनिदेशक / भूवैज्ञानिक।

सुधा गुप्ता
प्राचार्या / प्राचार्य
के0 वि0. वीरभद्र, ऋषिकेश

केन्द्रीय विद्यालय ऋषिकेश (वीरभद्र) हेतु देहरादून वन प्रभाग के अन्तर्गत ऋषिकेश के आई0डी0पी0एल0 परिसर मे प्रस्तावित 2.41 है0 (5.95 एकड़) भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या

प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय ऋषिकेश उत्तराखण्ड के पत्र संख्या एफ0के0वी0आर0–फ0 एल0एण्डवी0/के0वी0आर0/16–17/124, दिनांक 21.06.2018 द्वारा संदर्भित केन्द्रीय विद्यालय ऋषिकेश (वीरभद्र) हेतु देहरादून वन प्रभाग के अन्तर्गत ऋषिकेश के आई0डी0पी0एल0 परिसर मे प्रस्तावित 2.41 है0 (5.95 एकड़) भूमि का भूगर्भीय निरीक्षण श्रीमती रचना देव, प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय, ऋषिकेश व श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव, पुस्तकालयाध्यक्ष, केन्द्रीय विद्यालय की उपस्थिति मे किया गया।

प्रस्तावित भूमि आई0डी0पी0एल0 परिसर ऋषिकेश के अन्तर्गत स्थित है जिसमें विद्यालय भवन निर्मित है व केन्द्रीय विद्यालय, ऋषिकेश संचालित है। वर्तमान केन्द्रीय विद्यालय परिसर की भूमि आई0डी0पी0एल0 ऋषिकेश से केन्द्रीय विद्यालय संगठन को हस्तान्तिरित होना प्रस्तावित है। प्रस्तावित भूमि के निकट आई0डी0पी0एल0 के पूर्व निर्मित कार्यालय व आवासीय भवन स्थित हैं।

प्रस्तावित भूमि ऋषिकेश–हरिद्वार मोटर मार्ग के बायें भाग मे स्थित आई0डी0पी0एल0 परिसर के अन्तर्गत है जिसकी भौगोलिक स्थिति निम्नवत है :

उत्तर– उत्तर 30^0 04′ 40.8′′ व पूरब 78^0 16′ 8.5′′,
दक्षिण– उत्तर 30^0 04′ 34.1′′ व पूरब 78^0 16′ 09.1′′,
पूरब– उत्तर 30^0 04′ 38.6′′ व पूरब 78^0 16′ 12.4′′ तथा
पश्चिम– उत्तर 30^0 04′ 36.5′′ व पूरब 78^0 16′ 4.9′′ है।

स्थल के उत्तर मे ऋषिकेश–हरिद्वार मार्ग को जोड़ने वाला परिसर अन्तर्गत स्थित मुख्य मार्ग, दक्षिण मे स्थानीय मार्ग व मीरानगर, पूरब मे स्थानीय मार्ग व मीरानगर तथा पश्चिम मे आई0डी0पी0एल0 वीरभद्र की भूमि अवस्थित है। प्रस्तावित स्थल समतल भूभाग है जहॉ भूरे रंग की मृदा का आवरण है। स्थल व स्थल के निकट स्वस्थानें चट्टानों का पूर्णतयः अभाव है। यह भूभाग गंगा नदी द्वारा प्रवाहित तथा ऊपरी पहाड़ी क्षेत्र मे चट्टानों के क्षरण से उत्पन्न अवशिष्ट युक्त क्षेत्र है। मृदा आवरण के नीचे विभिन्न आकार व परिमाप के पेबल्स व बोल्डर्स विद्यमान होने की सम्भावना है। स्थल के निकटवर्ती भाग मे भूस्खलन व भूकटाव नही पाया गया।

स्थल पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य किये जाने से पूर्व निर्माण किये जाने वाली संरचनाओं की सुरक्षा के दृष्टिकोण से निम्नलिखित सुरक्षात्मक सुझावों एवं शर्तों का अनुपालन किया जाना आवश्यक होगा :–

1. निर्माण कार्य से पूर्व स्थल की भार ग्राह्य क्षमता का आंकलन किया जाय।
2. स्थल की भार ग्राह्य क्षमता के अनुरूप संरचना की डिजाइनिंग, आकार व परिमाप का निर्धारण किया जाय।
3. संरचनाओं की डिजाइनिंग मे भूकम्परोधी अभियांत्रिकी मानकों का समावेश किया जाय।
4. निर्माण कार्य भूकम्परोधी अभियांत्रिकी तकनीक के अनुसार किया जाय व भवन संरचनाओं का आधार समुचित गहराई पर रखा जाय।
5. स्थल के नीचे विभिन्न आकार के पेबल्स व बोल्डर्स की सम्भावना के कारण निर्माण के पश्चात संरचना के भार (अधिकतम भार) से असमान सेटलमेंट की सम्भावना को नकारा नहीं जा सकता है, अतः डिजाईनिंग व निर्माण कार्य में उक्त अधिकतम भार का संज्ञान लिया जाना होगा।

उपरोक्त सुरक्षात्मक सुझाव एंव शर्तों का अनुपालन सुनिश्चत किये जाने की दशा में सन्दर्भित स्थल केन्द्रीय विद्यालय ऋषिकेश (वीरभद्र) के भवन निर्माण हेतु भूगर्भीय दृष्टिकोण से उपयुक्त प्रतीत होता है।

12/07/18

(डॉ. दीपक हटवाल)
उपनिदेशक/भूवैज्ञानिक।

सुधा गुप्ता

प्राचार्या/प्राचार्य
के0 वि0, वीरभद्र, ऋषिकेश